चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 15 सितंबर 2026, अंक –357.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

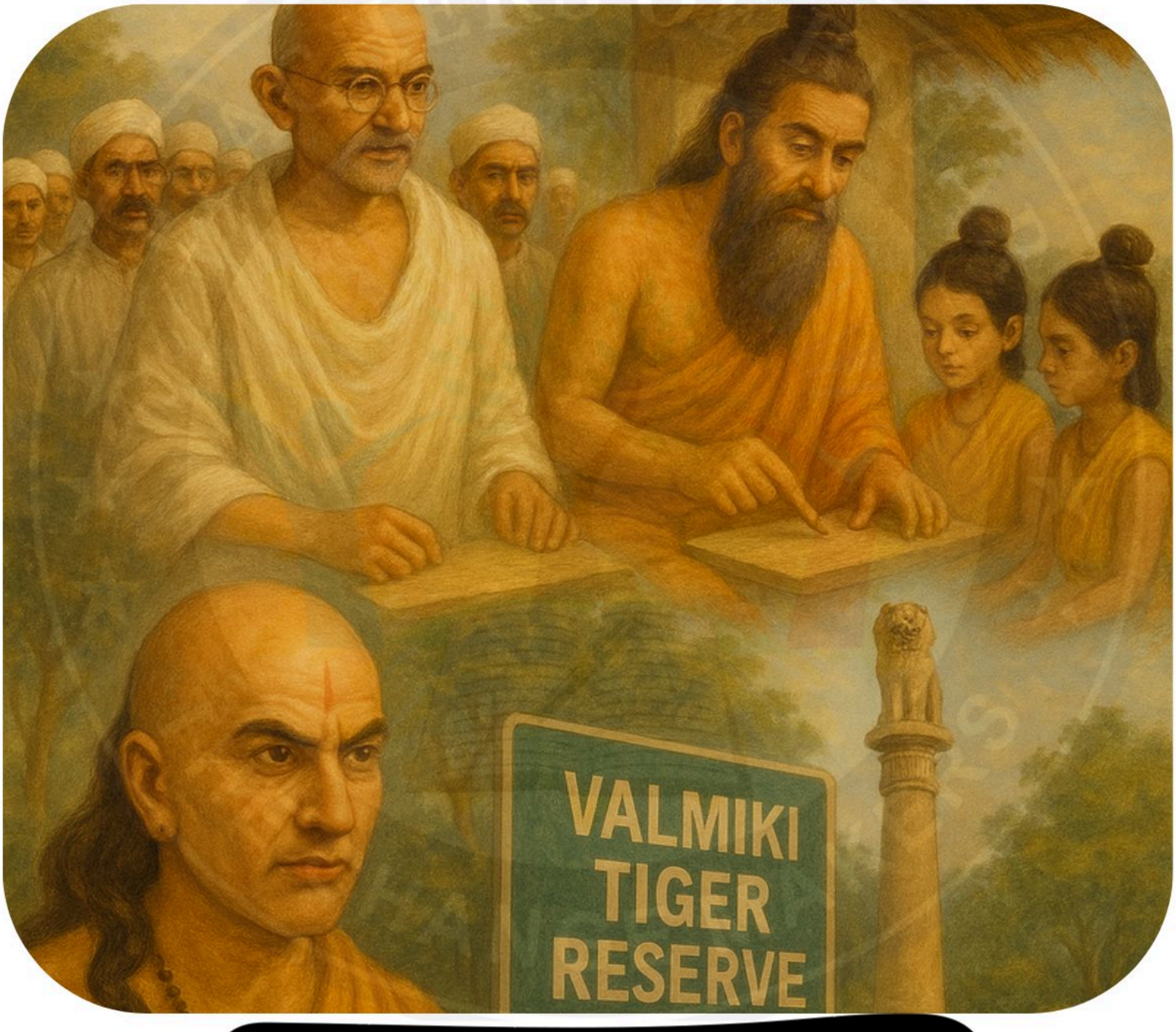

"क्रोध को प्रेम से, बुराई को अच्छाई से और झूठ को सत्य से जीतें।" — महात्मा बुद्ध

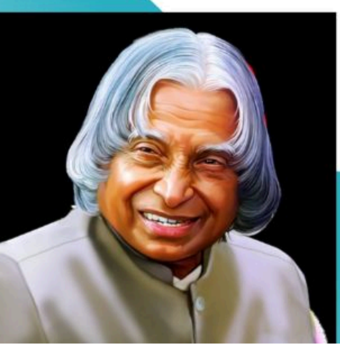

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. ग्रीस की राजधानी क्या है?
उत्तर: एथेंस
प्रश्न 2. बुकर पुरस्कार जीतने वाले पहले भारतीय लेखक कौन थे?
उत्तर: अरुंधति रॉय
प्रश्न 3. 'कुम्मी' किस राज्य की प्रसिद्ध लोकनृत्य परंपरा है?
उत्तर: तमिलनाडु
प्रश्न 4. 125 को 5 से भाग देने पर भागफल कितना होगा?
उत्तर: 25
प्रश्न 5. बिहार का चौसा किस जिले में स्थित है?
उत्तर: बक्सर
प्रश्न 6. मेंढक अपने जीवन के प्रारंभिक चरण में किस रूप में रहता है?
उत्तर: टैडपोल
प्रश्न 7. भूकंप की तीव्रता दर्ज करने वाले यंत्र को क्या कहते हैं?
उत्तर: सिस्मोग्राफ
प्रश्न 8. राज्यसभा का सदस्य बनने की न्यूनतम आयु कितनी है?
उत्तर: 30 वर्ष
प्रश्न 9. 'सूर्य' का एक पर्यायवाची शब्द क्या है?
उत्तर: रवि
प्रश्न 10. पौधे को खिड़की के पास रखने पर उसकी पत्तियाँ सामान्यतः प्रकाश की ओर क्यों मुड़ती हैं?
उत्तर: प्रकाशानुवर्तन

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1️⃣ Principal - प्रिंसिपल - प्रधानाचार्य
2️⃣ Headmaster - हेडमास्टर - प्रधानाध्यापक
3️⃣ Monitor - मॉनिटर - कक्षा-प्रतिनिधि
4️⃣ Assembly - असेंबली - प्रार्थना सभा
5️⃣ Blackboard - ब्लैकबोर्ड - श्यामपट्ट
6️⃣ Timetable - टाइमटेबल - समय-सारणी
7️⃣ Playground - प्लेग्राउंड - खेल का मैदान

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "Is he/she going to + V1?"
(क्या वह ... करने वाला/वाली है?)

क्या वह आज स्कूल जाने वाला है? – Is he going to go to school today?
क्या वह खाना बनाने वाली है? – Is she going to cook food?
क्या वह अपना होमवर्क पूरा करने वाला है? – Is he going to finish his homework?
क्या वह एक पत्र लिखने वाली है? – Is she going to write a letter?
क्या वह हमारे साथ खेलने वाला है? – Is he going to play with us?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 15 सितंबर को भारत में 'राष्ट्रीय अभियंता दिवस' (National Engineers' Day) आधुनिक भारत के किस महान सिविल इंजीनियर और भारत रत्न विभूति की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया (सर एम. विश्वेश्वरैया)
व्याख्या: प्रतिवर्ष 15 सितंबर को भारत, श्रीलंका और तंजानिया में 'राष्ट्रीय अभियंता दिवस' महान सिविल इंजीनियर, राजनेता और मैसूर के 19वें दीवान भारत रत्न मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया (15 सितंबर 1861 – 14 अप्रैल 1962) के जन्मदिवस के सम्मान में मनाया जाता है। उन्होंने कावेरी नदी पर विख्यात 'कृष्णराज सागर बांध' का निर्माण कराया और जलाशयों में पानी के व्यर्थ बहाव को रोकने हेतु स्वचालित फ्लडगेट्स (ऑटोमैटिक स्लुइस गेट्स) का पेटेंट कराया। इसके अतिरिक्त उन्होंने पुणे की खड़कवासला और हैदराबाद की मूसी नदी के बाढ़ नियंत्रण हेतु अभूतपूर्व प्रणालियां विकसित कीं। 1955 में उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया था।
संदर्भ: Ministry of Education, Government of India; Institution of Engineers (India) Archives;

प्र.2. सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा जारी 'मानव विकास सूचकांक' (HDI) रिपोर्ट में भारत के प्रदर्शन के मुख्य आधारभूत स्तंभ क्या रहे हैं? (समसामयिक घटना)
उत्तर: जीवन प्रत्याशा, शिक्षा और प्रति व्यक्ति आय (GNI per capita)
व्याख्या: सितंबर 2026 में यूएनडीपी (UNDP) द्वारा जारी नवीनतम मानव विकास रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग में सुधार दर्ज किया गया, जिसका मुख्य कारण स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्षों, जन्म के समय जीवन प्रत्याशा और क्रय शक्ति समता (PPP) पर प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय में निरंतर वृद्धि है। मानव विकास सूचकांक की गणना मुख्य रूप से तीन आयामों के चार संकेतकों पर की जाती है: दीर्घ एवं स्वस्थ जीवन (जीवन प्रत्याशा), ज्ञान की पहुंच (स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष व अपेक्षित वर्ष) और एक सभ्य जीवन स्तर (GNI per capita)। यह रिपोर्ट समावेशी विकास और लैंगिक समानता की प्रगति का वैश्विक मूल्यांकन करती है।
संदर्भ: United Nations Development Programme (UNDP) Human Development Report September 2026;

प्र.3. मुंशी प्रेमचंद के समकालीन और ऐतिहासिक नाटकों के प्रणेता जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध नाटक है, जिसमें 5वीं शताब्दी के गुप्त सम्राट द्वारा हूणों के आक्रमण को विफल करने का गौरवशाली इतिहास वर्णित है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: स्कंदगुप्त (1928)
व्याख्या: 'स्कंदगुप्त' (1928) छायावादी युग के प्रमुख नाटककार जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित एक युगांतरकारी ऐतिहासिक नाटक है। इसमें 5वीं शताब्दी के गुप्त सम्राट स्कंदगुप्त विक्रमादित्य के अदम्य पराक्रम, आंतरिक पारिवारिक षड्यंत्रों, बंधुवर्मा के आत्म-बलिदान और बर्बर हूणों के भारत पर आक्रमण को विफल करने की ऐतिहासिक कथा कही गई है। नाटक में देवसेना का त्याग और उसका प्रसिद्ध गीत "आह! वेदना मिली विदाई" भारतीय साहित्य की अमूल्य निधि हैं। प्रसाद जी ने इसके माध्यम से तत्कालीन पराधीन भारत में राष्ट्रीय एकता, देश-प्रेम और स्वाभिमान की चेतना का संचार किया था।
संदर्भ: जयशंकर प्रसाद — 'स्कंदगुप्त', लोकभारती प्रकाशन;

प्र.4. अत्यधिक रासायनिक उर्वरकों (नाइट्रोजन व फास्फोरस) के जलस्रोतों में बहकर मिलने से शैवालों की अत्यधिक वृद्धि (Algal Bloom) और जल में घुलित ऑक्सीजन (DO) की तीव्र कमी की प्रक्रिया को क्या कहा जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: सुपोषण (यूट्रोफिकेशन / Eutrophication)
व्याख्या: जब कृषि खेतों से रासायनिक उर्वरक और अनुपचारित अपशिष्ट जल बहकर तालाबों या झीलों में जमा होते हैं, तो पानी में नाइट्रेट और फॉस्फेट जैसे पोषक तत्वों की सांद्रता अत्यधिक बढ़ जाती है। इस प्रक्रिया को 'सुपोषण' (Eutrophication) कहते हैं। पोषक तत्वों की प्रचुरता से जलीय सतह पर शैवालों की अनियंत्रित वृद्धि (Algal Bloom) हो जाती है, जो जल की सतह को पूरी तरह ढंक लेती है। इससे सूर्य का प्रकाश नीचे तक नहीं पहुँच पाता और शैवालों के मृत होने पर उनके अपघटन हेतु जीवाणु जल की अधिकांश घुलित ऑक्सीजन (DO) का उपयोग कर लेते हैं। परिणामस्वरूप जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग (BOD) अत्यधिक बढ़ जाती है और मछलियों सहित अन्य जलीय जीव दम घुटने से मरने लगते हैं।
संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 16 "पर्यावरण के मुद्दे", p. 275–277;

प्र.5. 1828 में ब्रह्म समाज की स्थापना करने वाले और 1829 में लॉर्ड विलियम बेंटिक के सहयोग से 'सती प्रथा निषेध कानून' पारित कराने वाले आधुनिक भारत के नवजागरण के जनक कौन थे? (इतिहास)
उत्तर: राजा राममोहन राय
व्याख्या: राजा राममोहन राय को 'भारतीय पुनर्जागरण का अग्रदूत' और 'आधुनिक भारत का जनक' कहा जाता है। उन्होंने 20 अगस्त 1828 को कलकत्ता में 'ब्रह्म समाज' की स्थापना की, जो एकेश्वरवाद, तर्कशीलता और सामाजिक समानता पर आधारित था। उन्होंने मूर्तिपूजा, जातिगत संकीर्णता और बाल विवाह का पुरजोर विरोध किया। अपनी भाभी को सती होते देख उन्होंने इस अमानवीय कुप्रथा के विरुद्ध निरंतर अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप 1829 में ब्रिटिश गवर्नर-जनरल लॉर्ड विलियम बेंटिक ने नियम XVII (Regulation XVII) के तहत सती प्रथा को अवैध और गैर-कानूनी घोषित किया। मुगल बादशाह अकबर द्वितीय ने उन्हें 'राजा' की उपाधि दी थी।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 8 "महिलाएं, जाति एवं सुधार", p. 94–97;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. प्रायद्वीपीय भारत के पूर्वी घाट और पश्चिमी घाट के बीच स्थित दक्कन के पठार से निकलने वाली महानदी का उद्गम किस राज्य के धमतरी जिले में सिहावा पर्वत श्रृंखला से होता है? (भूगोल)

उत्तर: छत्तीसगढ़ (सिहावा पर्वत)

व्याख्या: महानदी पूर्वी-मध्य भारत की एक अत्यंत महत्वपूर्ण नदी प्रणाली है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 851 किलोमीटर है। इसका उद्गम छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में रायपुर के निकट सिहावा की पहाड़ियों से होता है। यह छत्तीसगढ़ और ओडिशा राज्यों से बहती हुई बंगाल की खाड़ी में एक विस्तृत उपजाऊ डेल्टा का निर्माण करती है। इसकी प्रमुख सहायक नदियों में शिवनाथ, हसदेव, मांड, इब, जोंक और तेल शामिल हैं। ओडिशा के संबलपुर में महानदी पर बना 'हीराकुंड बांध' भारत का सबसे लंबा मिट्टी का बांध है, जो बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई और जलविद्युत उत्पादन का एक बहुउद्देशीय आधार है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 22–24;

प्र.7. भारतीय संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित किसी विधेयक पर भारत के राष्ट्रपति को अपनी स्वीकृति देने, रोकने अथवा पुनर्विचार हेतु लौटाने की संवैधानिक शक्ति किस अनुच्छेद के अंतर्गत प्राप्त है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 111 (विधेयकों पर अनुमति / वीटो शक्ति)

व्याख्या: भारतीय संविधान का 'अनुच्छेद 111' राष्ट्रपति द्वारा विधेयकों पर अनुमति देने से संबंधित है। जब कोई विधेयक संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित होकर राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है, तो उनके पास तीन विकल्प होते हैं: (1) वे विधेयक पर अपनी स्वीकृति दे दें (जिसके बाद वह अधिनियम बन जाता है); (2) वे स्वीकृति सुरक्षित रख लें (आत्यंतिक वीटो); (3) वे विधेयक को (यदि वह धन विधेयक नहीं है) संसद को पुनर्विचार के लिए संदेश के साथ लौटा दें (निलंबनकारी वीटो)। परंतु यदि संसद उस विधेयक को पुनः बिना संशोधन या संशोधन के साथ साधारण बहुमत से पारित कर देती है, तो राष्ट्रपति उस पर अपनी स्वीकृति देने के लिए बाध्य होते हैं।

संदर्भ: Constitution of India, Part V, Article 111; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 4 "कार्यपालिका", p. 86–89;

प्र.8. किसी विद्युत परिपथ में विद्युत धारा की उपस्थिति का पता लगाने और उसकी दिशा ज्ञात करने हेतु किस अत्यंत संवेदनशील उपकरण का उपयोग किया जाता है? (विज्ञान)

उत्तर: गैल्वेनोमीटर (धारामापी / Galvanometer)

व्याख्या: गैल्वेनोमीटर एक अत्यधिक संवेदनशील विद्युत-यांत्रिक उपकरण है जिसका उपयोग किसी विद्युत परिपथ में अतिसूक्ष्म विद्युत धारा की उपस्थिति, परिमाण और प्रवाह की दिशा को मापने के लिए किया जाता है। इसका सिद्धांत चुंबकीय क्षेत्र में धारावाही कुंडली पर लगने वाले बल आघूर्ण (Torque) पर आधारित है। जब परिपथ में कोई धारा प्रवाहित नहीं होती, तो इसकी सुई पैमाने के केंद्र में 'शून्य' पर स्थिर रहती है। धारा प्रवाहित होने पर सुई धारा की दिशा के अनुसार बाईं या दाईं ओर विक्षेपित हो जाती है। इसके समानांतर क्रम में अल्प प्रतिरोध (शंट) जोड़कर इसे एमीटर में तथा श्रेणीक्रम में उच्च प्रतिरोध जोड़कर इसे वोल्टमीटर में बदला जा सकता है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 13 "विद्युत धारा के चुंबकीय प्रभाव", p. 250–253;

प्र.9. तमिलनाडु के तंजौर में 11वीं शताब्दी में चोल सम्राट राजराज प्रथम द्वारा पूर्णतः ग्रेनाइट पत्थरों से निर्मित वह कौन-सा भव्य मंदिर है, जिसके शिखर पर 80 टन का एकाश्म कलश स्थापित है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: बृहदेश्वर मंदिर (राजराजेश्वर मंदिर)

व्याख्या: तंजावुर (तंजौर) का बृहदेश्वर मंदिर द्रविड़ स्थापत्य कला का एक बेजोड़ और भव्यतम शिखर है, जिसे महान चोल सम्राट राजराज चोल प्रथम ने 1010 ईस्वी में भगवान शिव के सम्मान में बनवाया था। इसे 'राजराजेश्वर मंदिर' या 'पेरुवुडैयार कोविल' भी कहा जाता है। इस मंदिर का 13-मंजिला मुख्य विमान (पिरामिडनुमा शिखर) 66 मीटर (216 फीट) ऊंचा है, जिसके शीर्ष पर लगभग 80 टन वजनी ग्रेनाइट के एक ही विशाल पत्थर (एकाश्म) को तराशकर कलश के रूप में स्थापित किया गया है। मंदिर के प्रांगण में एक ही पत्थर से तराशी गई भारत की सबसे बड़ी नंदी की प्रतिमाओं में से एक स्थित है। 1987 में इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल ('महान जीवित चोल मंदिर') घोषित किया गया था।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला", p. [illegible];

प्र.10. बिहार के मुजफ्फरपुर जिले का वह कौन-सा विशिष्ट रसदार और सुगंधित फल है, जिसे 2018 में बौद्धिक संपदा अधिकार के अंतर्गत भौगोलिक संकेतक (GI टैग) प्रदान किया गया था? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: शाही लीची (Shahi Litchi of Muzaffarpur)

व्याख्या: मुजफ्फरपुर और उसके आस-पास के जिलों (वैशाली, समस्तीपुर, पूर्वी चंपारण) में उत्पादित होने वाली 'शाही लीची' अपने अत्यंत मीठे स्वाद, रसदार गूदे, विशिष्ट सुगंध और चमकदार लाल रंग के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। इस क्षेत्र की चूना-युक्त दोमट मिट्टी और उपोष्णकटिबंधीय आर्द्र जलवायु लीची की इस विशेष प्रजाति के विकास के लिए सर्वाधिक अनुकूल है। भारत के कुल लीची उत्पादन में बिहार का योगदान लगभग 40% है। वर्ष 2018 में मुजफ्फरपुर की शाही लीची को भारत सरकार के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा भौगोलिक उपदर्शन (GI Tag) प्रदान किया गया, जिससे इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रामाणिकता और निर्यात मांग को बढ़ावा मिला है।

संदर्भ: Ministry of Commerce and Industry Geographical Indications Registry;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: सितंबर W2 – सड़क एवं रेल दुर्घटना से बचाव) के अनुसार दोपहिया वाहन चलाते समय बीआईएस प्रमाणित हेलमेट पहनना क्यों अनिवार्य है और चलती ट्रेन में चढ़ने या पायदान (Footboard) पर यात्रा करने के क्या गंभीर खतरे हैं? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: सिर की गंभीर चोट से जीवन रक्षा; असंतुलन से कटने व गिरने का घातक जोखिम

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (सितंबर W2: सड़क एवं रेल दुर्घटना से बचाव) के अनुसार, सड़क और रेल यात्रा में अनुशासनहीनता जानलेवा सिद्ध होती है: (1) दोपहिया वाहन चालकों और पीछे बैठने वाले (Pillion rider) दोनों के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) प्रमाणित हेलमेट पहनना जीवन-रक्षक है, क्योंकि सड़क दुर्घटनाओं में 70% से अधिक मौतें सिर में लगने वाली आंतरिक चोट (Brain Trauma) के कारण होती हैं, जिसे हेलमेट 80% तक कम कर देता है; (2) चलती ट्रेन में कभी भी चढ़ने या उतरने का प्रयास न करें, क्योंकि ट्रेन की गति और जड़त्व के कारण पैर फिसलने पर व्यक्ति प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच के गैप में गिरकर पटरियों के नीचे आ सकता है; (3) ट्रेन के गेट के पायदान (Footboard) पर लटककर यात्रा न करें क्योंकि पटरी के किनारे लगे बिजली के खंभों, सिग्नलों या अचानक लगे झटके से नीचे गिरकर गंभीर दुर्घटना होना तय है।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module September W2 – "सड़क/रेल दुर्घटना से बचाव के संदर्भ में जानकारी";

प्र.12. कोई धनराशि साधारण ब्याज की एक निश्चित दर से 5 वर्षों में अपने प्रारंभिक मान की 2 गुनी हो जाती है। बताइए वही धनराशि उसी साधारण ब्याज दर से कितने वर्षों में अपने मान की 4 गुनी हो जाएगी? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 15 वर्ष

व्याख्या: यह साधारण ब्याज (Simple Interest) पर आधारित एक अत्यंत रोचक और मानक तार्किक गणितीय प्रश्न है।
माना कि मूलधन = P रुपये है।
5 वर्षों में राशि 2 गुनी हो जाती है, अर्थात मिश्रधन (A) = 2P रुपये।
अतः 5 वर्षों में अर्जित साधारण ब्याज (SI) = मिश्रधन - मूलधन = 2P - P = P रुपये।
यहाँ समय (T) = 5 वर्ष में ब्याज = P रुपये मिलता है (अर्थात साधारण ब्याज की दर से P रुपये ब्याज बनने में ठीक 5 वर्ष लगते हैं)।
अब राशि को 4 गुना होना है, अर्थात नया मिश्रधन = 4P रुपये।

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

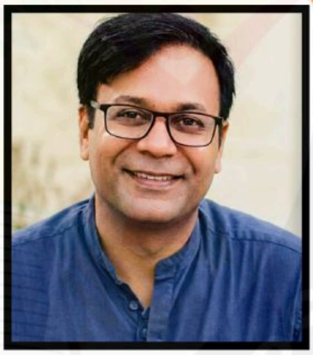

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Aplomb (अप्लॉम) = Confidence (कॉन्फिडेन्स) = आत्मविश्वास / धैर्यपूर्ण कुशलता
   Antonym – Diffidence (डिफिडेन्स) = आत्मविश्वास की कमी / संकोच
2. Coalesce (कोअलेस) = Unite (यूनाइट) = एकजुट होना / मिल जाना
   Antonym – Separate (सेपरेट) = अलग करना / अलग होना
3. Dearth (डर्थ) = Scarcity (स्केर्सिटी) = कमी / अभाव
   Antonym – Abundance (अबन्डन्स) = प्रचुरता
4. Esoteric (एसोटेरिक) = Arcane (आर्केन) = गूढ़ / केवल विशेष लोगों को समझ में आने वाला
   Antonym – Common (कॉमन) = सामान्य / सर्वसुलभ
5. Flabbergasted (फ्लैबर्गैस्टिड) = Astonished (अस्टॉनिश्ड) = अत्यंत आश्चर्यचकित / स्तब्ध
   Antonym – Unperturbed (अनपरटर्ब्ड) = अप्रभावित / शांत

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

BRICS Summit concludes with New Delhi Declaration; calls for restraint in Middle East, avoids direct mention of US-Israel strikes on Iran

हिन्दी अनुवाद: BRICS शिखर सम्मेलन नई दिल्ली घोषणा के साथ संपन्न; मध्य पूर्व में संयम का आह्वान, ईरान पर US-इज़राइल हमलों का सीधा उल्लेख नहीं।�
12-13 सितंबर को भारत मंडपम में हुए 18वें BRICS शिखर सम्मेलन में 11 सदस्य देशों के नेताओं ने नई दिल्ली घोषणा अपनाई। घोषणा में नागरिक बुनियादी ढांचे और IAEA सुरक्षा वाले शांतिपूर्ण परमाणु सुविधाओं पर हमलों की चिंता जताई गई, लेकिन US-इज़राइल हमलों या ईरान के खाड़ी देशों पर हमलों का सीधा उल्लेख नहीं किया गया। भारत की अध्यक्षता थीम — "Building for Resilience, Innovation, Cooperation and Sustainability" के तहत स्थानीय मुद्रा भुगतान, ऊर्जा सुरक्षा और AI सहयोग पर चर्चा हुई। UPSC/BPSC के लिए: BRICS — 10 पूर्ण सदस्य + 11 साझेदार; NDB — न्यू डेवलपमेंट बैंक; De-dollarisation — डॉलर पर निर्भरता कम करना।

PM Modi, President Murmu congratulate Indian women's cricket team on winning 8th Women's T20 Asia Cup title

हिन्दी अनुवाद: PM मोदी, राष्ट्रपति मुर्मू ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को 8वाँ महिला T20 एशिया कप खिताब जीतने पर बधाई दी।�
भारत ने दुबई में श्रीलंका को 72 रनों से हराकर लगातार आठवाँ एशिया कप खिताब जीता। स्मृति मंधाना और शफाली वर्मा ने 129 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी की। श्री चारणी ने 4/20 लिए। पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन में भारतीय टीम ने ACC अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से मना कर दिया, जो BCCI की नीति के अनुरूप था। UPSC/BPSC के लिए: Women's Asia Cup — एशियाई महिला क्रिकेट परिषद द्वारा आयोजित; T20I प्रारूप; BCCI — भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड।

Free online coaching for NEET, JEE, UPSC: Government finalises national digital platform under PM-SETU initiative

हिन्दी अनुवाद: NEET, JEE, UPSC के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग: सरकार ने PM-SETU पहल के तहत राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म को अंतिम रूप दिया।
शिक्षा मंत्रालय ने भारत के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों के मार्गदर्शन में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का उपयोग करके गुणवत्तापूर्ण कोचिंग सुलभ बनाने की योजना को मंजूरी दी। यह पहल निजी कोचिंग उद्योग (लगभग ₹60,000 करोड़) के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। PM-SETU (Pradhan Mantri-Support for Education and Training through Universities) के तहत छात्रों को वीडियो लेक्चर, लाइव सेशन और मॉक टेस्ट मिलेंगे। UPSC/BPSC के लिए: NEET — राष्ट्रीय पात्रता एवं प्रवेश परीक्षा; JEE — संयुक्त प्रवेश परीक्षा; UPSC — संघ लोक सेवा आयोग।

INTERNATIONAL NEWS

US blocks Iran's nuclear chief from attending IAEA meeting in Vienna; Tehran protests to Austria

हिन्दी अनुवाद: अमेरिका ने ईरान के परमाणु प्रमुख को वियना में IAEA बैठक में शामिल होने से रोका; तेहरान ने ऑस्ट्रिया को विरोध पत्र सौंपा।�
ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन के प्रमुख मोहम्मद एस्लामी को वीजा छूट न मिलने के कारण IAEA महासम्मेलन में शामिल नहीं हो सके। अमेरिका ने 'स्नैपबैक' UN प्रतिबंधों का हवाला देते हुए छूट का विरोध किया था। ईरान ने इस कदम को कूटनीतिक प्रोटोकॉल का उल्लंघन बताया। UPSC/BPSC के लिए: IAEA — अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी; JCPOA — 2015 का परमाणु समझौता; Vienna — IAEA का मुख्यालय।

IAEA raises alarm over Iran access; almost no inspections conducted for six months amid Hormuz tensions

हिन्दी अनुवाद: आईएईए ने ईरान में पहुंच पर चिंता जताई; होर्मुज़ तनाव के बीच छह महीने से लगभग कोई निरीक्षण नहीं हुआ।�
UN परमाणु निगरानी एजेंसी ने कहा कि उसने छह महीने से अधिक समय से ईरान में लगभग कोई निरीक्षण नहीं किया है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य में तनाव गहरा रहा है और यमन के हूतियों ने सऊदी अरब पर एक और हमले का दावा किया है। UPSC/BPSC के लिए: Strait of Hormuz — वैश्विक तेल आपूर्ति का 20% मार्ग; Houthis — यमन के विद्रोही समूह।

Oman postpones Hormuz talks with Iran, Gulf states; no response from Saudi Arabia after Houthi drone attack

हिन्दी अनुवाद: ओमान ने ईरान और खाड़ी देशों के साथ होर्मुज़ वार्ता स्थगित की; हूति ड्रोन हमले के बाद सऊदी अरब से कोई प्रतिक्रिया नहीं।�
ओमान ने क्षेत्रीय तनाव के बीच होर्मुज़ जलडमरूमध्य में सुरक्षा और नौवहन पर चर्चा करने वाली वार्ता को स्थगित कर दिया। हूतियों ने दावा किया कि उन्होंने सऊदी अरब के एक प्रमुख सैन्य ठिकाने को नुकसान पहुंचाया है, लेकिन रियाद से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया। UPSC/BPSC के लिए: GCC — खाड़ी सहयोग परिषद; Houthi movement — अंसार अल्लाह।

BIHAR NEWS

Bihar floods: 49.36 lakh affected across 15 districts; Ganga at Sultanganj flows at 36.21m (1.71m above danger level)
हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़: 15 जिलों में 49.36 लाख प्रभावित; सुल्तानगंज में गंगा 36.21 मीटर पर बह रही (खतरे के स्तर से 1.71 मीटर ऊपर)।�
आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार 575 ग्राम पंचायतों के 87 ब्लॉकों में 49.36 लाख लोग प्रभावित हैं। गंगा, गंडक, कोसी, बुरही गंडक, बागमती और घाघरा नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। 1,194 सामुदायिक रसोई और 15 राहत शिविर चलाए गए हैं। प्रभावित जिले: पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार, लखीसराय, खगड़िया, पूर्णिया, मधेपुरा, अररिया। UPSC/BPSC के लिए: HFL — Highest Flood Level; NDRF/SDRF — राष्ट्रीय/राज्य आपदा मोचन बल।

CM Samrat Choudhary announces permanent flood solution; central team led by Shivraj Singh Chouhan to assess damage
हिन्दी अनुवाद: CM सम्राट चौधरी ने बाढ़ का स्थायी समाधान घोषित किया; शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में केंद्रीय टीम क्षति का आकलन करेगी।
�
CM ने कहा कि राज्य में बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए सरकार गंभीरता से प्रयास कर रही है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में एक केंद्रीय टीम बिहार आएगी और बाढ़ से उत्पन्न स्थिति एवं क्षति का आकलन करेगी। जल स्तर में गिरावट शुरू हो गई है, लेकिन स्थिति अभी भी गंभीर है। UPSC/BPSC के लिए: Flood management — SDMA और DDMP के तहत; Central team — गृह मंत्रालय द्वारा गठित।

SPORTS NEWS

Women's T20 Asia Cup 2026: India defeats Sri Lanka by 72 runs to win record 8th title; refuses trophy from ACC chief Mohsin Naqvi
हिन्दी अनुवाद: महिला T20 एशिया कप 2026: भारत ने श्रीलंका को 72 रनों से हराकर रिकॉर्ड 8वाँ खिताब जीता; ACC chief मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से मना किया।�
दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल में भारत ने 183/5 बनाए। स्मृति मंधाना और शफाली वर्मा ने 129 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी की। श्रीलंका 111 रनों पर ऑल-आउट हो गया। श्री चारणी ने 4/20 और दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट लिए। भारतीय टीम ने BCCI नीति के अनुसार ACC अध्यक्ष मोहसिन नकवी (पाकिस्तान सरकार मंत्री) से ट्रॉफी लेने से मना कर दिया। BCCI सचिव देवजित साइकिया और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे ने टीम को बधाई दी। UPSC/BPSC के लिए: Women's Asia Cup — 2004 से भारत का दबदबा; T20I प्रारूप; BCCI-PCB tensions — राजनीतिक तनाव।

Global Chess League concludes in Bengaluru; Indian Grandmasters dominate final standings
हिन्दी अनुवाद: ग्लोबल चेस लीग बेंगलुरु में संपन्न; भारतीय ग्रैंडमास्टर ने अंतिम standings में दबदबा बनाया।
भारत के शीर्ष ग्रैंडमास्टरों ने टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। यह लीग FIDE कैलेंडर का हिस्सा है और विश्व के शीर्ष खिलाड़ियों को आकर्षित करती है। UPSC/BPSC के लिए: FIDE — अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ; Grandmaster — शतरंज की सर्वोच्च उपाधि।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

🌱 "शिक्षक वह दीपक है जो स्वयं जलकर दूसरों को रोशन करता है।

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

समस्या में छिपा समाधान

(15 सितम्बर: अभियंता दिवस विशेष)

एक बार की बात है। युवा अभियंता मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के सामने एक ऐसी समस्या आई, जिसे देखकर कई लोग परेशान हो गए। नदी का पानी बरसात में तेजी से बढ़ता और आसपास के क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा पैदा कर देता। गर्मी के दिनों में वही क्षेत्र पानी की कमी से जूझता था।

विश्वेश्वरैया ने समस्या को केवल शिकायत की तरह नहीं देखा। उन्होंने नदी, वर्षा और पानी के बहाव का बारीकी से अध्ययन किया। उनका विचार था कि यदि पानी को केवल रोकने के बजाय उसे सही समय पर नियंत्रित किया जाए, तो वही पानी परेशानी के बजाय उपयोगी संसाधन बन सकता है।

उन्होंने जल-संचयन और जल-नियंत्रण की ऐसी व्यवस्था पर काम किया, जिससे अतिरिक्त पानी को नियंत्रित किया जा सके और आवश्यकता के समय उसका उपयोग भी हो।

उनकी कार्यशैली की सबसे खास बात यह थी कि वे किसी समस्या का आसान बहाना नहीं खोजते थे, बल्कि उसके पीछे का कारण समझने और स्थायी समाधान खोजने में विश्वास रखते थे।

बाद के वर्षों में उनकी यही सोच देश की अनेक महत्वपूर्ण जल और सिंचाई परियोजनाओं में दिखाई दी। उनका जीवन बताता है कि इंजीनियर होना केवल मशीनें और इमारतें बनाना नहीं है; इंजीनियरिंग का असली उद्देश्य लोगों के जीवन को बेहतर बनाने वाले समाधान खोजना है।

आज जब विद्यार्थी किसी कठिन सवाल के सामने रुक जाते हैं, तो विश्वेश्वरैया का जीवन उन्हें एक सरल संदेश देता है—कठिनाई यह पूछने का अवसर है कि "इसे कैसे बेहतर किया जा सकता है?"

प्रेरक सीख : समस्या से घबराने वाला रास्ता खोजता है, लेकिन समाधान की सोच रखने वाला नया रास्ता बनाता है।

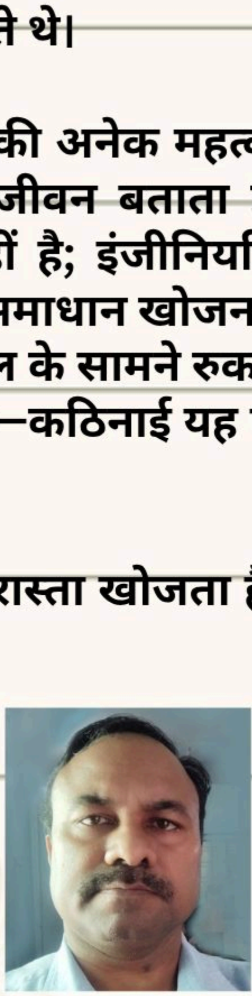

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"अच्छी ख़बर"

बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉजिटिव — सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

■ चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
■ गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्" अनुभाग-8

बाबू वीर कुंवर सिंह

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी सोचा है कि कोई अस्सी साल का बुजुर्ग दादाजी घोड़े की पीठ पर सवार होकर हाथ में तलवार लिए दुश्मनों की विशाल फौज के छक्के छुड़ा सकता है? जी हाँ, हमारी पावन धरती बिहार ने एक ऐसे ही अद्भुत योद्धा को जन्म दिया था, जिनका नाम सुनते ही अंग्रेज़ अफसर थर-थर काँपने लगते थे। वे थे जगदीशपुर के अमर राजा बाबू वीर कुंवर सिंह! वीर कुंवर सिंह का जन्म 13 नवंबर 1777 को बिहार के भोजपुर (शाहाबाद) ज़िले के जगदीशपुर गाँव के एक प्रतापी उज्जैनिया क्षत्रिय परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम राजा साहबजादा सिंह था, जो बड़े स्वाभिमानी, पराक्रमी और न्यायप्रिय ज़मींदार थे। उनकी माता का नाम पंचरतन कुंवर था, जो अत्यंत दयालु, संस्कारी और ममता की मूरत थीं।

नन्हे कुंवर सिंह बचपन से ही बहुत बहादुर, फुर्तीले और साहसी स्वभाव के थे। उन्हें चारदीवारी के भीतर बैठकर पोथियाँ पढ़ने के बजाय घुड़सवारी करना, घने जंगलों में शिकार खेलना, तीरंदाज़ी और तलवार चलाने का गज़ब का शौक था। वे इतने कुशल घुड़सवार थे कि हवा की गति से दौड़ते हुए घोड़े पर भी दोनों हाथों से तलवार चला लेते थे। पिता के देहांत के बाद उन्होंने जगदीशपुर की रियासत संभाली। वे अपनी प्रजा से बहुत प्यार करते थे। उन्होंने अपने इलाके में सुंदर बगीचे लगवाए, किसानों के लिए कुएँ और बड़े-बड़े तालाब खुदवाए और हर जाति-धर्म के लोगों को गले लगाया। वे हमेशा गरीबों और जरूरतमंदों की मदद के लिए अपने खजाने के द्वार खुले रखते थे।

जब वर्ष 1857 में पूरे देश में अंग्रेजों के जुल्म के खिलाफ क्रांति की पहली मशाल जली, तब बाबू कुंवर सिंह की उम्र लगभग अस्सी साल हो चुकी थी। बाल सफेद थे और चेहरे पर झुर्रियां थीं, लेकिन उनके सीने में भारत माता को आज़ाद कराने की दहकती हुई आग जल रही थी। जब दानापुर छावनी के बागी देशभक्त सैनिक आरा पहुँचे, तो उन्होंने इस वयोवृद्ध वीर को अपना सेनापति चुना। बाबू कुंवर सिंह ने गरजते हुए अपनी तलवार उठाई और आरा के अंग्रेजों के किले पर कब्ज़ा कर लिया। उन्होंने अपनी छापामार युद्धनीति से अंग्रेजों की बड़ी-बड़ी आधुनिक सेनाओं को धूल चटा दी। वे रीवा, बाँदा, लखनऊ और कानपुर तक गए और नाना साहब व तात्या टोपे के साथ मिलकर अंग्रेजों के दाँत खट्टे किए।

एक बार जब वे गंगा नदी पार कर रहे थे, तब अंग्रेजों की एक ज़हरीली गोली उनकी बायीं कलाई में आ लगी। गोली का ज़हर पूरे शरीर में न फैले, इसलिए इस अस्सी साल के महावीर ने बिना एक पल की हिचक के अपनी दायीं तलवार निकाली और अपनी ही बायीं बांह काटकर गंगा मैया को समर्पित कर दी और कहा—"हे गंगा मैया! अपने इस लाडले का यह छोटा सा उपहार स्वीकार करो!" एक हाथ कट जाने के बाद भी वे लड़े और 23 अप्रैल 1858 को अपनी मातृभूमि जगदीशपुर को अंग्रेजों से पूरी तरह मुक्त कराकर वहाँ अपना विजय-ध्वज फहराया। इस महान युद्ध के तीन दिन बाद 26 अप्रैल 1858 को वे अमर हो गए। प्यारे बच्चों, वीर कुंवर सिंह का जीवन हमें सिखाता है कि देशसेवा और साहस के लिए उम्र नहीं, बल्कि मजबूत इरादा और सच्चा हौसला चाहिए।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org